भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4188

26 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

एसटीईएम में महिलाओं की भागीदारी

†4188. सुश्री सयानी घोषः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा और करियर में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कौन सी योजनाएं और नीतियां शुरू की गई हैं;

(ख) सरकारी योजनाओं के अंतर्गत महिलाओं के नेतृत्व वाली अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवंटित कुल वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान भारत में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर पर एसटीईएम पाठ्यक्रमों में नामांकित महिलाओं के प्रतिशत के आंकड़े क्या हैं;

(घ) सरकारी और निजी क्षेत्रों में एसटीईएम से संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं का प्रतिशत कितना है; और

(ङ) इसरो, डीआरडीओ, आईआईटी और सीएसआईआर आदि जैसे प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में वरिष्ठ अनुसंधान पदों और नेतृत्व की भूमिका निभाने वाली महिलाओं की संख्या कितनी है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक व्यापक योजना 'विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं-किरण (वाइज़-किरण)' को कार्यान्वित कर रहा है। पीएचडी के लिए वाइज़ अध्येतावृत्ति (वाइज़-पीएचडी) कार्यक्रम मौलिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान करने वाली महिलाओं को सहायित करता है। वाइज़-पोस्ट डॉक्टरेट अध्येतावृत्ति (वाइज़-पीडीएफ) और वाइज़-अवसरों के साथ सामाजिक चुनौतियां (वाइज़-स्कोप) कार्यक्रम महिलाओं को क्रमशः पोस्ट-डॉक्टरेट अनुसंधान, प्रयोगशाला-आधारित अध्ययन और प्रयोगशाला से धरातल पर अंतरण संबंधी अनुसंधान में लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकारों में वाइज़ इंटर्नशिप (वाइज़-आईपीआर) बौद्धिक संपदा अधिकारों में विशेषज्ञता विकसित करने के लिए एक वर्षीय ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके अलावा, महिला वैज्ञानिक उत्थान तथा नवोन्मेष विकास और वर्धनार्थ प्रवृत्ति (विदूषी) कार्यक्रम एक वर्ष में सेवानिवृत्त होने वाली या पहले से ही सेवानिवृत्त हो चुकी वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों को अपने वैज्ञानिक करियर को जारी रखने और आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

अध्येतावृत्ति कार्यक्रमों के अलावा, डीएसटी निम्नलिखित पहलों के माध्यम से संस्थागत/नीतिगत सहायता भी प्रदान करता है:

i. क्यूरी (नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुसंधान का समेकन), जो अनुसंधान और विकास में भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला संस्थानों में अनुसंधान अवसंरचना को सुदृढ़ करता है।

ii. गति (संस्था रूपांतरक लैंगिक प्रगति), जो संस्थानों को महिलाओं को एसटीईएम करियर में अग्रणी पदों तक पहुंच बनाए रखने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

iii. महिलाओं के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसटीडब्ल्यू), जो महिला प्रौद्योगिकी पार्कों (डब्ल्यूटीपी) के माध्यम से महिलाओं की आजीविका और सामाजिक उद्यमिता को बढ़ाता है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) डीबीटी-बायोकेयर अध्येतावृत्ति कार्यक्रम को सहायित करता है जिसका लक्ष्य जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र में महिला वैज्ञानिकों की भागीदारी को बढ़ाना है।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान को आगे बढ़ाने में छात्रों को सहायित करने हेतु डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट अनुसंधान अध्येतावृत्ति प्रदान करता है। इंजीनियरी, चिकित्सा और औषध विज्ञान सहित एसटीईएम क्षेत्रों में करियर बनाने हेतु महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए, सीएसआईआर अनुसंधान अवसरों के लिए आवेदन करने वाली महिला अभ्यर्थियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में पाँच वर्ष की छूट प्रदान करता है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने स्नातक स्तर की छात्राओं को उच्चतर शिक्षा का अवसर प्रदान करने और तकनीकी शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से प्रगति छात्रवृत्ति योजना शुरू की।

(ख) वित्त वर्ष 2024-2025 के दौरान सरकारी योजनाओं के तहत महिला अग्रणी अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आवंटित कुल वित्तीय सहायता 502.47 करोड़ रुपये है।

(ग) अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण, भारत सरकार के अनुसार पिछले पांच वर्षों (2018-2022) के दौरान भारत में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तरों पर एसटीईएम पाठ्यक्रमों में नामांकित महिलाओं का प्रतिशत लगभग 43.2 प्रतिशत है।

(घ) अनुसंधान और विकास सांख्यिकी -2023, डीएसटी के अनुसार सरकारी और निजी क्षेत्रों में एसटीईएम से संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं का प्रतिशत लगभग 18.6% है।

(ङ) इसरो, डीआरडीओ, सीएसआईआर और डीएसटी स्वायत्त शासी संस्थानों जैसे प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में वरिष्ठ अनुसंधान पदों और नेतृत्व की भूमिका निभाने वाली महिलाओं की संख्या लगभग 1062 है।

*****